an>

Title: Need to conduct CBI probe into the irregularities in Indira Awas Yojana in Bihar.

डॉ. भोला सिंह (बेगूसराय) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, बिहार में इंदिरा आवास की योजनाएँ भ्रष्टाचार एवं घोटाले की भेंट चढ़ गई हैं। इंदिरा आवास आबंटन के सिलसिले में जितनी प्रक्रियाएँ अपनाई गई हैं एवं पारदर्शिता दिखाने की कोशिशें हुई हैं, वे सभी दिखावटी हैं। घोटाले की दुर्गंध बड़े पैमाने पर उपस्थित है। प्रथमतः, जो बी.पी.एल. सूची तैयार की गई, उसमें समाज के अंतिम व्यक्ति का प्रवेश तक नहीं है। इतना ही नहीं, उनकी सीमाओं और रेखाओं का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है, चाहे बैंक में इंदिरा आवास की निधि के द्वारा आबंटन हो अथवा डाकघर के माध्यम से सभी बिचौलियों के पेट में पड़े। नतीजा यह है कि जिन्हें इंदिरा आवास दिये जाते हैं, वे बन नहीं पाते। बनते भी हैं तो आधे-अधूरे, उनमें भी अत्यंत घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग किया जाता है। नहीं बनने के कारण लाभकों पर प्राथमिकी दर्ज की जाती है। वे तथाकथित इंदिरा आवास छोड़कर पलायन कर जाते हैं जिससे गाँवों में ये सारे आवास खंडहर दिखाई पड़ते हैं। जिन्हें इंदिरा आवास उपलब्ध नहीं हैं, वे अपनी टूटी-फूटी झोपड़ियों में अभी भी रह रहे हैं। इंदिरा आवास की योजना इस सदी की सबसे बड़ी घोटाले की योजना के रूप में लहूलुहान होकर पड़ी है। गरीबी हटाओ, उनका उद्धार करो, यह एक छलावा ही साबित हुआ है। ऐसे महा घोटाले की जाँच भारत सरकार सीबीआई से कराने के लिए कदम उठाए। इंदिरा आवास योजना महाघोटाले ने शिकार बनाकर करोड़ों विपन्न परिवारों को मूर्छित लहूलुहान करके रख दिया है।

अतः मैं सदन के माध्यम से इस ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूँ।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri Virendra Kashyap. Not present.

Shri Satish Chandra Dubey.